प्रादर्श परीक्षा, 2014
हिंदी
कक्षा – ग्यारहवीं

समय : 3 घंटे *पूर्णांक : 90*

☞ (10 अंकों की मौखिक अभिव्यक्ति संबंधी परीक्षा अलग से होगी।)
सभी प्रश्नों के उत्तर देना अनिवार्य है।

खंड 'क'

1. *निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़िए तथा उससे संबंधित प्रश्नों के उत्तर दीजिए–*

गाँधी जी और भगत सिंह लोक-जीवन की कुंजी किस तत्त्व को मानते थे इसका समाधान करने की स्थिति यहाँ नहीं है। यहाँ तो इस संबंध में मैं इतना ही कह सकता हूँ कि भगत सिंह लोक-मानस में अपने अनुकूल वातावरण को अपने प्रयत्नों से निर्माण करने में दक्ष थे और गाँधी जी सामाजिक परिस्थितियों से स्वयं उत्पन्न वातावरण को अपने अनुकूल उपयोग करने में बेजोड़ थे।

लोक के मानस में भाव होते हैं, पर भाषा नहीं होती। जो व्यक्ति भाव को भाषा देता है, लोक-जीवन में उसे ही अपना नेता, अपना कर्णधार, अपना आदर्श मानने की स्वेच्छा उत्पन्न हो जाती है। यह मेरी कुंजी का पूर्वार्द्ध है। उत्तरार्द्ध यह है कि लोक के मानस में आकांक्षा होती है, पर उस आकांक्षा को पूर्ण करने के प्रयत्नों की योजना नहीं होती। जो उसे योजना देता है, उस योजना पर चलने की प्रेरणा देता है, चलाता है और लक्ष्य पर पहुँचने से पहले रुकने, थकने नहीं देता, वही उसका आराध्य नेता और आदर्श पुरुष हो जाता है।

इसी पृष्ठभूमि में मैं कहना चाहता हूँ कि लोक-जीवन का बल अपने शौर्य, पराक्रम या त्याग-बलिदान से प्रदीप्त व्यक्तियों का आदर्श है, वह जीवित रूप में हो, साहित्य इतिहास के रूप में। बस एक ही प्रश्न और लोक की सर्वोत्तम, सर्वोच्च आकांक्षा क्या है? मेरा अनुभव कहता है कि लोक की मूल जीवन-वृत्ति है आनंद। आनंद पनपता है शांति में और शांति की लता पुष्पित होती है स्थिरता में। तो शांत जीवन ही लोक की सर्वोत्तम-सर्वोच्च आकांक्षा है।

(क) भगत सिंह की क्या विशेषता थी? 2
(ख) महात्मा गाँधी किस में बेजोड़ थे? 2
(ग) भगत सिंह और महात्मा गाँधी में क्या अंतर था? 2
(घ) लोक-जीवन किसे अपना आराध्य नेता और आदर्श पुरुष मानता है? 2
(ङ) इस गद्यांश का शीर्षक लिखिए। 2

2. *निम्नलिखित काव्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़िए तथा इससे संबंधित प्रश्नों के उत्तर दीजिए–*

आदर्शों से आदर्श भिड़े, प्रज्ञा प्रज्ञा पर टूट रही।
प्रतिमा प्रतिमा से लड़ती है, धरती की किस्मत फूट रही।
आवर्तों का है विषम जाल, निरूपाय बुद्धि चकराती है,
विज्ञान-यान पर चढ़ी हुई सभ्यता डूबने जाती है।
जब-जब मस्तिष्क जयी होता, संसार ज्ञान से चलता है,
शीतलता की है राह हृदय, तू यह संवाद सुनाता चल।

(क) धरती की किस्मत फूटने का कारण स्पष्ट कीजिए। 1
(ख) सभ्यता के डूबने का अर्थ एवं कारण स्पष्ट कीजिए। 1
(ग) मन को शांति कैसे मिलती है? 1
(घ) मस्तिष्क जयी होने का क्या अर्थ है? उसका क्या दुष्परिणाम होता है? 1
(ङ) 'आदर्श से आदर्श भिड़े' का क्या तात्पर्य है? 1

अथवा

मैंने बचपन में छिपकर पैसे बोए थे,
सोचा था, पैसों के प्यारे पेड़ उगेंगे।
रुपयों की कलदार मधुर फ़सलें खनकेंगी,
और, फूल-फलकर मैं मोटा सेठ बनूँगा।
पर बंजर धरती में न एक अंकुर फूटा,
वंध्या मिट्टी ने न एक भी पैसा उगला।
मैं हताश हो, बाट जोहता रहा दिनों तक,
बाल-कल्पना के अपलक पाँवड़े बिछाकर।
मैं अबोध था, मैंने ग़लत बीज बोए थे,
ममता को रोपा था, तृष्णा को सींचा था।

(क) कवि ने बचपन में क्या भूल की थी और क्यों? 1

(ख) कवि ने मिट्टी को 'वंध्या' क्यों कहा है? 1

(ग) 'बाल-कल्पना के अपलक पाँवड़े बिछाकर'–काव्य-पंक्ति का अर्थ स्पष्ट कीजिए। 1

(घ) इन काव्य-पंक्तियों के द्वारा कवि क्या संदेश देना चाहता है? 1

(ङ) कवि किसलिए निराश हो गया था? 1

खंड 'ख'

3. हिंदी अध्यापक-पद हेतु राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, दिल्ली प्रशासन को एक आवेदन पत्र लिखिए। आप मनोहर गुप्ता, C/432, रोहिणी सैक्टर-7 के निवासी हैं।

अथवा

दूरदर्शन-निदेशक को पत्र लिखकर अश्लील सीरियलों पर रोक लगाने का आग्रह कीजिए। 5

4. *किसी एक विषय पर 400 शब्दों में निबंध लिखिए–* 10

(क) राजनीति और भ्रष्टाचार।

(ख) शिक्षा–कितनी उपयोगी?

(ग) भारत-पाक संबंध।

(घ) समर्थ भारत।

5. *निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए–*

(क) विशेष रिपोर्ट के किन्हीं दो प्रकारों के नाम लिखिए। 1

(ख) समाचार-पत्र में कौन, कब, कहाँ, क्या, क्यों, कैसे में सबसे अंत में किसका उल्लेख होना चाहिए? 1

(ग) किस इंटरनेट साइट को देखने के लिए भुगतान करना पड़ता है? 1

(घ) वॉचडॉग पत्रकारिता का क्या कार्य होता है? 1

(ङ) जनसंचार का सबसे प्रमुख काम क्या है? 1

6. सचिन तेंदुलकर की उपलब्धियों पर एक फीचर लिखिए.

अथवा

भोजन और स्वास्थ्य विषय पर एक फीचर तैयार कीजिए। 5

खंड 'ग'

7. *निम्नलिखित काव्यांशों में से किन्हीं दो की सप्रसंग व्याख्या कीजिए–* 5 + 5

(क) हम तौ एक एक करि जांनां।
दोइ कहैं तिनहीं कौं दोजग जिन नाहिंन पहिचांनां।।
एकै पवन एक ही पानीं एकै जोति समांनां।
एकै खाक गढ़े सब भांड़ै एकै कोंहरा सांनां।।
जैसे बाढ़ी काष्ट ही काटै अगिनि न काटै कोई।
सब घटि अंतरि तूँही व्यापक धरै सरूपै सोई।।
माया देखि के जगत लुभांनां काहे रे नर गरबांनां।
निरभै भया कछू नहिं ब्यापै कहै कबीर दिवांनां।।

(ख) पग घुँघरू बाँधि मीरां नाची,
मैं तो मेरे नारायण सूं, आपहि हो गई साची
लोग कहै, मीरां भइ बावरी; न्यात कहै कुल-नासी
विस का प्याला राणा भेज्या, पीवत मीरां हाँसी
मीरां के प्रभु गिरधर नागर, सहज मिले अविनासी।

(ग) घर में विधवा रही पतोहू,
लछमी थी, यद्यपि पति घातिन,
पकड़ मँगाया कोतवाल ने,
डूब कुएँ में मरी एक दिन!
खैर, पैर की जूती, जोरू
न सही एक, दूसरी आती,
पर जवान लड़के की सुध कर
साँप लोटते, फटती छाती।

8. *निम्नलिखित काव्यांश से संबंधित प्रश्नों के उत्तर दीजिए–*

प्रतिक्षण नूतन वेश बनाकर रंग-बिरंग निराला।
रवि के सम्मुख थिरक रही है नभ में वारिद-माला।
नीचे नील समुद्र मनोहर ऊपर नील गगन है।
घन पर बैठ, बीच में बिचरूँ यही चाहता मन है।।

(क) इसकी भाषा संबंधी दो विशेषताएँ लिखिए। 2
(ख) इसमें नभ के सौंदर्य को किस प्रकार व्यक्त किया गया है? 2
(ग) मानवीकरण अलंकार का उदाहरण देते हुए उसका सौंदर्य स्पष्ट कीजिए। 2

अथवा

मौत के आगे न हिचकें,
शेर के आगे न बिचकें,
बोल में बादल गरजता,
काम में झंझा लरजता।

(क) 'बोल में बादल गरजता' का सौंदर्य स्पष्ट कीजिए। 2
(ख) 'शेर के आगे न बिचकें' का सौंदर्य स्पष्ट कीजिए। 2
(ग) इस कविता में छंद, संगीत या प्रवाह गुण पर टिप्पणी कीजिए। 2

9. (क) कबीर ने संसार को बौराया हुआ क्यों कहा है? 2
(ख) कवि को किसान की आँखों से डर क्यों लगता है? 2

10. *निम्नलिखित गद्यांश से संबंधित प्रश्नों के उत्तर दीजिए–*

फिर तेवर चढ़ा हमें घूरकर कहा–'तुनकी पापड़ से ज़्यादा महीन होती है, महीन। हाँ। किसी दिन खिलाएँगे, आपको।' एकाएक मियाँ की आँखों के आगे कुछ कौंध गया। एक लंबी साँस भरी और किसी गुमशुदा याद को ताज़ा करने को कहा–'उतर गए वे ज़माने। और गए वे कद्रदान जो पकाने-खाने की कद्र करना जानते थे! मियाँ अब क्या रखा है ··· निकाली तंदूर से–निगली और हज़म!'

(क) मियाँ के तेवर चढ़ाने और घूरने का क्या कारण था? 2
(ख) मियाँ को एकाएक क्या याद आ गया? 2
(ग) मियाँ को किस चीज़ का अफसोस है? 2

अथवा

फ़िल्म का काम आगे भी ढाई साल चलने वाला है, इस बात का अंदाज़ा मुझे पहले नहीं था। इसलिए जैसे-जैसे दिन बीतने लगे, वैसे-वैसे मुझे डर लगने लगा। अपू और दुर्गा की भूमिका निभाने वाले बच्चे अगर ज़्यादा बड़े हो गए, तो फ़िल्म में वह दिखाई देगा! लेकिन मेरी खुश किस्मती से उस उम्र में बच्चे जितने बढ़ते हैं, उतने अपू और दुर्गा की भूमिका निभाने वाले बच्चे नहीं बढ़े। इंदिरा ठाकरुन की भूमिका निभाने वाली अस्सी साल उम्र की चुन्नीबाला देवी ढाई साल तक काम कर सकी, यह भी मेरे सौभाग्य की बात थी।

(क) समय के साथ लेखक के मन में कौन-सा डर समाने लगा? 2
(ख) लेखक किस बात को अपनी खुशकिस्मती मानता है? 2
(ग) इंदिरा ठाकरुन के संदर्भ में लेखक किस बात को अपना सौभाग्य मानता है? 2

11. *निम्नलिखित में से किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर दीजिए–* 3 + 3 + 3

(क) सत्यजीत रे को बारिश का दृश्य अंकित करने में क्या कठिनाई आई? उसका क्या समाधान निकला?
(ख) धनराम को मोहन के किस व्यवहार पर हैरानी होती है और क्यों?
(ग) मियाँ नसीरुद्दीन को नानबाइयों का मसीहा क्यों कहा गया है?
(घ) लेखक को लॉर्ड कर्ज़न का शासन क्यों पसंद नहीं आया?

12. लता के गायन ने जनरुचि को बढ़ाने में क्या योगदान दिया? आप अपने किस काम से जनरुचि को संवार सकते हैं? 5

13. *निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए–* 5 + 5 = 10

(क) लता मंगेशकर के गायन ने भारतीय लोगों की अभिरुचि को किस प्रकार प्रभावित किया?
(ख) निजी होते हुए भी सार्वजनिक क्षेत्रों की कुश्तियों पर ग्राम-समाज का अंकुश लगा रहता है। लेखक ने ऐसा क्यों कहा होगा?

***